

03143

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2013

**MES-053 : EDUCATIONAL MANAGEMENT,
PLANNING AND FINANCE**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note :** (i) *All questions are compulsory.*
(ii) *All questions carry equal weightage.*
-

1. Answer the following question in about 600 words.

Explain different theories of management with special reference to their educational implications.

OR

Describe educational planning in India with emphasis on organisational arrangements at national and state levels.

2. Answer the following question in about 600 words.

Discuss the concept of education both as consumption and as investment. Explain how investment in education helps in building human capital and in promoting socio-economic development.

OR

Highlight the advantages, problems and issues of decentralisation of educational planning and management in India.

3. Answer *any four* of the following in about **150** words each.
- (a) Emerging problems of educational finance in India.
 - (b) What are the pre-requisites of a viable budget ?
 - (c) Scope of educational planning at district level.
 - (d) Importance of autonomy and accountability in educational institutions in India.
 - (e) Manpower approach to educational planning.
 - (f) Role of monitoring and evaluation in promoting quality assurance in educational management.

4. Answer the following question in about **600** words.

Universalisation of elementary education has remained as an unrealized dream in India. Justify the statement in the light of Indian experiences since independence.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2013

एम.ई.एस.-053 : शैक्षिक प्रबंधन, आयोजन और वित्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
प्रबन्धन के विभिन्न सिद्धान्तों की उनके शैक्षिक निहितार्थों के विशेष सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

अथवा

राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर संगठनात्मक प्रबन्धों (organisational arrangements) पर बल देते हुए भारत में शैक्षिक आयोजन का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
उपभोग एवं निवेश दोनों के रूप में शिक्षा की संकल्पना की चर्चा कीजिए। शिक्षा में निवेश किस प्रकार मानव पूँजी के निर्माण और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने में सहायता करता है? व्याख्या कीजिए।

अथवा

भारत में शैक्षिक आयोजन और प्रबन्धन के विकेन्द्रीकरण के लाभों, समस्याओं और विषयों पर विशेष बल दीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में)के उत्तर दीजिए :
- (a) भारत में शैक्षिक वित्त की उभरती समस्यायें । .
 - (b) जीवनक्षम/व्यवहार्य (viable)बजट की पूर्वापेक्षाएं (pre-requisites) कौन सी हैं ?
 - (c) जिला स्तर पर शैक्षिक आयोजन का कार्यक्षेत्र ।
 - (d) भारत में शैक्षिक संस्थानों में स्वायत्तता (Autonomy) और उत्तरदायित्व (Accountability) का महत्व ।
 - (e) शैक्षिक आयोजन का जनशक्ति/मानवशक्ति उपागम ।
 - (f) शैक्षिक प्रबन्धन में गुणात्मक प्रत्याभूति (Quality Assurance) के प्रोत्साहन/बढ़ाने में मानीटरिंग (Monitoring) और मूल्यांकन (Evaluation) की भूमिका ।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।
प्रारम्भिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण भारत में एक अननुभूत स्वप्न (unrealized dream)की तरह रह गया है। स्वतन्त्रता से प्रारम्भ कर भारतीय अनुभवों के प्रकाश में इस कथन को स्पष्ट कीजिए।